>

Title: Need to take steps to control the annual flood in eastern Uttar Pradesh and undertake adequate relief and rehabilitation measures for people affected due to floods.

श्री भीÂम शंकर उर्फ कुशल तिवारी (संत कबीर नगर): उत्तर प्रदेश के पूर्वांचलका क्षेत्र प्रतिवर्ष बाढ़ की समस्या से जूझता रहा है। जहां लाखों एकड़ खरीफ की फसल नष्ट हो जाती है तथा बाढ़ से काफी जान–माल का नुकसान होता है। मकान बह जाते हैं, पशुओं के लिए चारे की समस्या होती है। कितने ही पशु बाढ़ में बह जाते हैं। महोदया, बाढ़ आने से पीने के पानी की समस्या तथा अनेक बीमारियाँ भी आ पड़ती हैं। कुल मिलाकर पूर्वांचल का किसान, व्यापारी कोई भी बाढ़ के कहर से नहीं बचता है। वर्षा के महीनों में इस क्षेत्र का ग्रामीण इलाका पूरी तरह से प्रभावित होता है।

आज देश को स्वतंत्र हुए छः दशक से ज्यादा हो गए हैं, परन्तु इस क्षेत्र को बाढ़ की त्रासदी से बचाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि पूर्वांचल के लोगों को बाढ़ की त्रासदी जो प्रत्येक वर्ष आती है, से बचाया जाय एवं इससे प्रभावित क्षेत्र के फसलों का सरकार द्वारा बीमा करना, किसानों को एकमुश्त आर्थिक सहायता प्रदान करना, बीमारियों पर आने वाला खर्च सरकार द्वारा वहन करना एवं वहां की जनता को रोजगार प्रदान करना, बाढ़ से ध्वस्त मकानों का अविलम्ब निर्माण कराना इत्यादि हेतु प्रबंध किये जायें।